



DAE-1601100301040801 Seat No. _____

B. A. (Sem. IV) (CBCS) (WEF-2016) Examination

April - 2022

Sanskrit : Paper-VIII (Elective-II)

(Mahakavya - Saundarnand)

(Old Course)

Time : 2 $\frac{1}{2}$ Hours]

[Total Marks : 70

सूचना / Instructions :

- (१) कोई पञ्च पांच प्रश्नोंना उत्तर आपो.
- (1) Attempt any five questions.
- (२) बधा ज प्रश्नोंना गुण सरभा छे.
- (2) All questions carry equal marks.

- | | | |
|---|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----|
| १ | नीचेना श्लोकोनो अनुवाद करो : | १४ |
| 1 | Translate the following Verses : | 14 |
| | (१) सनगा च भूः प्रविचचाल हूतवहसखः शिवो ववौ ।
नेदुरपि च सुरदुन्दुभयः प्रववर्ष चाम्बुधरवर्जितं नभः ॥ | |
| | (२) मनसा लुलोभ न च जातु परवसुषु गृह्णमानसः ।
कामसुखमसुखतो विमृशन् विजहार तृप्त इव तत्र सज्जनः ॥ | |
| | (३) स चक्रवाक्येव हि चक्रवाकस्तया समेत प्रियया प्रियार्हः ।
नाचिन्तयद्वैश्रमणं न शक्रं तत्स्थानहेतोः कुत एव धर्मम् ॥ | |
| | (४) तं गौरवं बुद्धगतं चकर्ष भार्यानुरागः पुनराचकर्ष ।
सोऽनिश्चयान्नापि ययौ न तस्थौतुरंस्तरङ्गोष्विव राजहंसः ॥ | |
| २ | पूर्वापर संबंध आपी समझवो : | १४ |
| 2 | Explain with reference to the context : | 14 |
| | (१) तप्तकनकसदशप्रभया स बभौ प्रदीप्त इव सन्ध्यया घनः । | |
| | (२) स्वेनैव रूपेण विभूषिता हि विभूषणानामपि भूषणं सा । | |
| ३ | अश्वघोषनी कृतिओ विशे सविस्तर नोंध लपो. | १४ |
| 3 | Write a detailed note on the works of अश्वघोषः | 14 |

४	अश्वघोषनी विद्वता - यथा करो.	१४
4	Scholarship of अश्वघोषः	14
५	सौन्दरनन्दमुं महाकाव्य तरीके मूल्यांकन करो.	१४
5	Evaluate 'सौन्दरनन्दम्' as an epic.	14
६	अश्वघोषकालीन समाज विशे सविस्तर नोध लपो.	१४
6	Write in detail about the contemporary society in अश्वघोषः	14
७	सौन्दरनन्दना त्रीजा सर्गनुं रसदर्शन करावो.	१४
7	Critically appreciate the third canto of 'सौन्दरनन्दम्'	14
८	सुन्दरीनुं पात्रालेखन करो.	१४
8	Character - sketch of 'सुन्दरी'	14
९	टूंकनोध लपो :	१४
9	Write short notes :	14
	(१) विशेषकप्रसङ्गः ।	
	(२) अश्वघोषस्य जीवनम् ।	
१०	टूंकनोध लपो :	१४
10	Write short notes :	14
	(१) सौन्दरनन्दनुं शीर्षक	
	(1) The title सौन्दरनन्दम्	
	(२) अश्वघोषनी शैली	
	(2) Style of अश्वघोषः	